राष्ट्रीय एकता दिवस

एकता और अखंडता की विरासत का समारोह

(गृह मंत्रालय)

अक्टूबर30,2024

‘’जनशक्ति एकता के बिना शक्ति नहीं हो सकती, जब तक कि उसे उचित रूप से समन्वित और एकजुट न किया जाए, इसके बाद वह आध्यात्मिक शक्ति बन जाती है"

-सरदार वल्लभभाई पटेल

अवलोकन

भारत हर वर्ष 31 अक्टूबर को नेशनल यूनिटी डे मनाता है, जिसे राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में भी जाना जाता है। सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर इस खास दिवस का आयोजन होता है,जो भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महत्वपूर्ण सेनानी, भारत के प्रथम उप-प्रधानमंत्री और गृह मंत्री थे। अपनी असाधारण नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रीय एकीकरण की अडिग प्रतिबद्धता के लिए प्रसिद्ध सरदार वल्लभभाई पटेल को भारत के लौह पुरुष के रूप में स्मरण किया जाता है। राष्ट्रीय एकता दिवस विभिन्न रियासतों को एकता के सूत्र में पिरोने के उनके प्रयासों की याद दिलाता है और यह भारत के लोगों में एकजुटता की भावना प्रबल करता है।

. सरदार वल्लभभाई पटेल: एक दूरदर्शी नेता

सरदार वल्लभभाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 को गुजरात के नाडियाड में हुआ था। वे पेशे से सफल वकील थे। उनके जीवन में महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब महात्मा गांधी ने 1918 में खेड़ा सत्याग्रह का नेतृत्व करने के लिए उन्हें अपना उप कमांडर चुना। किसानों के विरोध आंदोलन का नेतृत्व करने के क्रम में उन्होंने पाया कि उनके जीवन की दिशा सार्वजनिक सेवा की ओर मुड़ रही है। 1924 में वे अहमदाबाद नगर निगम के अध्यक्ष निर्वाचित हुए। कार्यभार संभालते ही उन्होंने अहमदाबाद की जल निकासी, स्वच्छता, सफाई और जल वितरण प्रणाली में

आमूल सुधार ला दिया। नागरिक उस समय हैरत में पड़ गए जब उन्होंने नगर निगम अध्यक्ष को खुद ही झाड़ू उठाए कचरा उठाने वाली गाड़ी के साथ शहर के हरिजन आवास की सफाई करते देखी। अहमदाबाद शहर को तभी वल्लभभाई पटेल के रूप में एक नया नायक मिल गया ।

सरदार वल्लभभाई पटेल स्वतंत्रता संग्राम में लगातार तत्परता से शामिल होते रहे। 1928 के बारदोली सत्याग्रह के नेतृत्व ने उन्हें राष्ट्रीय गौरव के शिखर पर पहुंचा दिया। यह किसान आंदोलन पूरे देश में चर्चा का विषय बन गया जिसका नेतृत्व सरदार वल्लभभाई पटेल ने संगठनात्मक क्षमता और उत्साह से किया ।यहीं उन्हें 'सरदार' की उपाधि दी गई जिसे आज भी सम्मान के साथ याद किया जाता है । इसके बाद सरदार वल्लभभाई पटेल स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख स्तंभों में एक बन गए।

भारत की आज़ादी के समय देश में ब्रिटिश भारत और राजाओं की रियासतें शामिल थीं। उस समय 17 ब्रिटिश भारतीय प्रांत थे और देश के भौगोलिक क्षेत्र का लगभग दो-पांचवां हिस्सा 560 से अधिक रियासतें थीं। भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम के तहत ब्रिटिश भारत का नियंत्रण भारतीय सरकार को सौंपा गया पर रियासतों के शासकों को यह तय करने का विकल्प दिया गया कि वे चाहें तो भारत या पाकिस्तान में से किसी एक में शामिल हो सकते हैं । सरदार वल्लभभाई पटेल ने रियासतों का विलय सुनिश्चित करने और उन्हें भारत संघ में एकीकृत करने के लिए दृढ़तापूर्ण कदम उठाए। 15 अगस्त 1947 को सरदार वल्लभभाई पटेल ने देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री के साथ ही स्वतंत्र भारत के पहले गृह मंत्री के रूप में शपथ ली। उन्होंने सूचना और प्रसारण मंत्रालय का कार्यभार भी संभाला।

DrRajendraPrasadadministerstheOathof Office to Sardar Vallabhbhai Patel

SardarVallabhbhaiPatelataPressConference on Integration of States

राष्ट्रीय एकता दिवस मनाना

राष्ट्रीय एकता दिवस सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा अपनाए गए मूल्यों एकता, अखंडता और समावेशिता का स्मरण कराता है। । भारत जैसे विभिन्न संस्कृतियों, भाषाओं और धर्मों वाले विविधतापूर्ण देश में, राष्ट्रीय प्रगति के लिए एकता की भावना को बढ़ावा देना आवश्यक है। राष्ट्रीय एकता दिवस नागरिकों को चुनौतियों पर काबू पाने के लिए एक साथ आने और विविधता में एकता और सद्भाव को बढ़ावा देने के महत्व पर विचार करने के लिए प्रोत्साहित करता है। राष्ट्रीय एकता दिवस पर देश भर में कई कार्यक्रम और गतिविधियां आयोजित की जाती हैं। सरकारी संस्थानों, स्कूलों और कॉलेजों में एकजुटता के महत्व पर जागरूकता फैलाने संबंधी कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस दिन का एक प्रमुख आकर्षण रन फॉर यूनिटी होता है जो सरदार वल्लभभाई पटेल के एकजुट भारत के स्वप्न के सम्मान में आयोजित होने वाली राष्ट्रव्यापी मैराथन दौड़ है।

10वें राष्ट्रीय एकता दिवस आयोजन के सिलसिले में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने 29 अक्टूबर 2024 को नई दिल्ली में आयोजित 'रन फॉर यूनिटी' को हरी झंडी दिखाई। एकजुटता के आह्वान के साथ वर्ष 2015 में आरंभ की गई रन फॉर यूनिटी राष्ट्रीय एकता के साथ ही प्रगतिशील और विकसित भारत के संकल्प का प्रतीक है जो साथ मिलकर समृद्ध भविष्य की को मूर्त रूप देने की दृष्टि है।

Government of India
Ministry of Commerce and Industry
Department of Commerce

10वां राष्ट्रीय एकता दिवस

इस समारोह के अंतर्गत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात के नर्मदा जिले में स्थित एकता नगर (केवड़िया) में 280 करोड़ रुपये से अधिक के परिव्यय वाली विभिन्न ढ़ांचागत और विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। परियोजनाओं का उद्देश्य पर्यटकों की सुविधा और सुगमता विस्तारित करना तथा सतत क्षमता पहल को बढ़ावा देना है।

31 अक्टूबर को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में भाग लेंगे और सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। वे एकता दिवस की शपथ दिलाएंगे और एकता दिवस परेड का निरीक्षण करेंगे जिनसे 16 मार्चिंग टुकड़ियाँ, और मार्चिंग बैंड शामिल होंगे। मार्चिंग में 9 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश की पुलिस, 4 केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल, राष्ट्रीय कैडेट कोर-एनसीसी की टुकड़ियां शामिल रहेंगी। विशेष आकर्षण में एनएसजी की हेल मार्च टुकड़ी, सीमा सुरक्षा बल - बीएसएफ और केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस बल-सीआरपीएफ के महिला और पुरुष बाइकर्स के डेयरडेविल शो, बीएसएफ का भारतीय मार्शल आर्ट संयोजन शो, स्कूली बच्चों का पाइप बैंड शो और भारतीय वायु सेना का'सूर्य किरण' फ्लाईपास्ट शामिल है।

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी

31 अक्टूबर**, 2018** को गुजरात के केवडिया में सतपुड़ा और विंध्याचल की लुभावनी पहाड़ियों की पृष्ठभूमि में विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा - स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का अनावरण किया गया था। 182 मीटर (लगभग 600 फीट) ऊंची यह प्रतिमा स्वतंत्र भारत के निर्माता सरदार वल्लभभाई पटेल को समर्पित है। नर्मदा नदी के ऊपर स्थित यह विशाल स्मारक नर्मदा नदी के विशाल परिवेश और नदी थाले तथा विशाल सरदार सरोवर बांध की ओर दृष्टिगत है। यह नर्मदा नदी के छोटे से द्वीप के साधु बेट पहाड़ी पर स्थित है, जो 300 मीटर लंबे पुल से जुड़ा हुआ है और मुख्य भूमि से प्रतिमा तक पहुंचने का मार्ग प्रदान करता है।

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के कई आकर्षण हैं, जो इसे सांस्कृतिक और पर्यावरण पर्यटन का प्रमुख गंतव्य स्थल बनाते हैं। पर्यटक यहां रात में लेजर लाइट और साउंड शो का आनंद ले सकते हैं जो प्रतिमा को रोशन करता है और सरदार वल्लभभाई पटेल की विरासत की जानकारी देता है। बीस लाख से अधिक पौधों वाली सुंदर फूलों की घाटी और कंक्रीट की मात्रा के लिहाज से दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा यह प्रतिष्ठित सरदार सरोवर बांध देखने लायक जगह है। प्राकृतिक आनंद के लिए हरियाली से घिरी पंचमुली झील शांत नौका विहार का अवसर प्रदान करती है। अन्य मुख्य आकर्षणों में यहां कैक्टस गार्डन और एकता नर्सरी है जिसमें रेगिस्तानी वनस्पतियां प्रदर्शित की गई हैं। लोग एकता पौधशाला से एकता के प्रतीक के रूप में पौधे खरीद सकते हैं। चिल्ड्रन्स न्यूट्रिशन पार्क और डिनो ट्रेल शैक्षिक अनुभव प्रदान करते हैं, जबकि जंगल सफारी और विश्व वन –ग्लोबल फॉरेस्ट विविध पौधों और जानवरों की प्रजातियों के साथ जैव विविधता दर्शाते हैं। ये इस उल्लेखनीय स्थल की विशिष्टता और विविधता बढ़ाते हैं।

निष्कर्ष

राष्ट्रीय एकता दिवस लौह पुरूष के स्मरण के साथ ही प्रत्येक नागरिक से एकता की भावना को अपनाने का आह्वान करता है। विभाजित प्रतीत हो रही दुनिया में सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा अपनाए मूल्य अब पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हैं। आइए इस दिन को मनाते हुए हम एकजुट और सामंजस्यपूर्ण समाज के निर्माण के लिए खुद को प्रतिबद्ध करें। हम भारत के लौह पुरुष की विरासत का सम्मान करते हुए ऐसा माहौल निर्मित करें जहां विविधता में एकता समाहित हो। हम सब साथ मिलकर राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रयास करें जो अखंडता, सम्मान और एकजुटता के सिद्धांतों पर आधारित हो।

संदर्भ:

https://pib.gov.in/PressNoteDetails.aspx?NoteId=150833&ModuleId=3&reg=3&lang=1

https://www.pmindia.gov.in/en/news_updates/pm-to-visit-gujarat-on-30-31-october-2/?comment=disable

https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2069106

https://www.gujarattourism.com/central-zone/narmada/statue-of-unity.html

https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2069106

***

एमजी/एआर/आरपी/एके/ओपी